मुझे मिल गया है फिकर करने वाला

जब से मैं खाटू नगर आ गया हु ऐसा लगता है जैसे घर आ गया हु
मुझे मिल गया है फिकर करने वाला हर तरहा से होके बेफिक्र आ गया हु
ऐसा लगता है जैसे घर आ गया हु ....

जग के इशारों पे अब तक नची है ज्यादा गुजर गई थोड़ी बची है
बची हुई लेकर उम्र आ गया हु
ऐसा लगता है जैसे घर आ गया हु ....

मुझको यकीन है वो रोने न देगा,
मुझे दर भरद अब होने न देगा काट के चोरासी का सफ़र आ गया हु
ऐसा लगता है जैसे घर आ गया हु ....

मजबूर होके सुंदर लाल ने पुकारा
किरपा भरी दृष्टि से उसने निहारा
भीड़ में दयालु को नजर आ गया हु
ऐसा लगता है जैसे घर आ गया हु ....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/21109/title/mujhe-mil-geya-hai-fikar-karne-vala

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |